आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :329 पृष्ठ -4 दिनांक 02 दिसम्बर 2024 दिन सोमवार

बदायूं 3 दिसंबर को होगी जामा मस्जिद और नीलकंठ महादेव मंदिर मामले में सुनवाई

उत्तरप्रदेश में कल का मौसम

उत्तर प्रदेश में कल सुबह का तापमान 16°C है।हवा, नमी और अन्य मौसम की स्थितियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए तापमान 16°C जैसा महसूस हो सकता हैं।उत्तर प्रदेश में सुबह बारिश की संभावना 0: है, और हवा की गति 41m/h रहेगी।

कल दोपहर के समय तापमान 27°ъ है और यह 25°ъ जैसा महसूस होगा। 7।उध की हवा की गति के साथ आर्द्रता लगभग 23: रहेगी।

बंदायू न्यूज बदायूं के जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेव मंदिर मामले में अब अगली सुनवाई 3 दिसंबर को होगी. मामला सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रहा है. शनवार को जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी की ओर से कोर्ट में अपना पक्ष रखने के बाद बहस की गई. बहस पूरी न होने पर 3 दिसंबर की तारीख दी गई है. हिंदू महासभा की ओर 2022 में में जामा मस्जिद में नीलकंठ महादेव मंदिर होने का दावा करते हुए वाद दायर किया था. न्यायालय में जामा मस्जिद इस्लामिया समिति की ओर से अपना पक्ष रखने वाले एडवोकेट अनवर आलम ने बताया कि आज हमने कोर्ट में बहस की है.

हमने पक्ष रखा है कि जामा मस्जिद में मंदिर का कोई अस्तित्व ही नहीं है क्योंकि पहले तो हिन्दू महासभा को वाद दायर करने का कोई अधिकार नहीं है. वहीं उनका दावा है कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई है. मस्जिद साढ़े आठ सौ साल पुरानी है, जाहिर है कि वहां मंदिर का कोई अस्तित्व ही नहीं है.पूजा की अनुमति मांगी गई हिंदू महासभा के एडवोकेट विवेक रेंडर ने बताया हमने नीलकंठ महादेव मंदिर में पूजा अर्चना की अनुमति के लिए याचिका दायर की है. इस मामले में सुनवाई योग्य है या नहीं, इसको लेकर बहस चल रही है.

सरकारी वकील की बहस पूरी हो चुकी है. आज मुस्लिम पक्ष ने बहस की है. उनकी बहस पूरी नहीं हो पाई है. अगली तारीख तीन दिसंबर लगी है. उनकी बहस पूरी होने के बाद हम उसका विस्तृत जवाब देंगे.हिन्दू महासभा के प्रदेश संयोजक वादी मुकेश पटेल ने बताया कि हमने पूरे साक्ष्यों के साथ कोर्ट में दावा किया है. हमें सेशन कोर्ट समेत हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा, ऐसी हमें उम्मीद है. मुस्लिम पक्ष ने आज अपनी बहस पूरी की है. बता दें कि संभल में शाही जामा मस्जिद में सर्वे के आदेश के बाद हुई हिंसा के वजह से बदायूं का मामला भी अब चर्चा में आ गया है.

दिसंबर का महीना शुरू होते ही यूपी में बढ़ी सर्दी, कई जिलों में छाया घना कोहरा

उत्तरप्रदेश दिसंबर का महीना शुरू हो गया है, और ठंड ने भी अपने तेवर तेज कर लिये हैं. आईएमडी फॉरकास्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहने और कहीं–कहीं पर सुबह के समय छिछला से मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है. मौसम विभाग ने एक दिसंबर को राज्य के तराई क्षेत्र में अलग–अलग स्थानों पर देर रात और सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई हैं. मौसम विभाग के मुताबिक, 6 दिसंबर तक अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होने की संभावना जताई हैं.मौसम विभाग के मुताबिक, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, ज्योतिबाफुले नगर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली,पीलीभीत, खेरी, बहराइच, श्रवस्ती, बलरामपुर, गोंडा, अयोध्या, सिद्धार्थनगर, बस्ती, अम्बेडकरनगर, संतकबीरनगर,महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर और देवरिया में एक दिसंबर को देर रात कोहरा छाए रहने की संभावना है. मौसम विभाग केअनुसार, पिछले 24 घंटे के दौरान उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क रहा. यूपी के दोनों मौसम मंडलों में छिटपुट स्थानों पर हल्का मध्यम कोहरा तथा पश्चिम यूपी के एक दो स्थानों पर घना कोहरा छाया रहा. आईएमडी फॉरकास्ट के मुताबिक, प्रयागराज का तापमान 12 डिग्री सेल्सियस, बहराइच का 11.8 डिग्री सेल्सियस, फुर्सतगंज का 21.8 डिग्री सेल्सियस, गोरखपुर का 12 डिग्री सेल्सियस, झांसी 11 डिग्री सेल्सियस, वाराणसी में 12.4 डिग्री सेल्सियस, लखनऊ का 12 डिग्री सेल्सियस और मेरठ का 20.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया है. आने वाले दिनों में

पड़ने वाली ठंड को देखते हुए लोगों से गर्म कपड़े पहनने और ठंड से बचाव की सलाह दी गई है. इधर, सर्दी और कोहरे के संभावित प्रकोप को देखते हुए यमुना एक्सप्रेसवे, नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रे. सवे पर वाहनों की स्पीड घटाई गई है. यमुना विकास प्राधिकरण ने 15 दिसंबर से 15 फरवरी तक नई स्पीड लिमिट लागू करने निर्णय लिया है. इससे सर्दी के दिनों में कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों में कमी लाइ जाएगी.

उत्तरकाशी में हनुमान चालीसा से शुरू हुई महापंचायत, मंच पर पहुंचे कई हिंदूवादी नेता

उत्तरकाशी के रामलीला मैदान में मस्जिद विवाद को लेकर देवभूमि विचार मंच द्वारा आज (1 दिसंबर) को महाप. ंचायत का आयोजन शुरू हो गया. उत्तरकाशी में होने वाली यह महापंचायत हनुमान चालीसा से शुरू हुई है. इस महापंचायत में कई हिंदूवादी नेता पहुंचे हैं और हैदराबाद के विधायक टी. राजा सिंह समेत अन्य प्रमुख वक्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है. आयोजन को देखते हुए प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं. शहर को सात जोन और 15 सेक्टर में बांटकर निगरानी बढ़ा दी गई है. यातायात को डायवर्ट किया गया है और शहर में फ्लैग मार्च भी निकाला गया. महापंचायत की निगरानी ड्रोन से भी की जाएगी.रामल. ीला मैदान में मस्जिद विवाद पिछले चार माह से शांत नहीं हो पाया है. इस मुद्दे पर 24 अक्टूबर को संयुक्त सनातन धर्म रक्षक संघ ने जनाक्रोश रैली निकाली थी. इस दौरान हुए पथराव और लाठीच. ार्ज में 9 पुलिसकर्मी समेत 27 लोग घायल हो गए थे. इसके बाद स्थिति और तनावपूर्ण हो गई थी. इसी विवाद को लेकर अब विश्व हिंदू परिषद के आह्वान पर देवभूमि विचार मंच ने महाप. ंचायत का आयोजन किया है.सशर्त अनुमति के बाद तैयारियां शुक्रवार देर शाम प्रशासन ने इस महापंचायत के आयोजन को सशर्त अनुमति दी. इसके बाद से ही मंच से जुड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता आयोजन स्थल पर मंच तैयार करवाने और व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने में जुट गए. आयोजकों का कहना है कि यह महापंचायत केवल हिंदू समुदाय की एकजुटता का प्रदर्शन है.प्रमुख वक्ताओं की मौजूदगी मंच के संयोजक कीर्ति सिंह ने जानकारी दी कि इस महाप. ंचायत में हिंदूवादी नेता टी. राजा सिंह के साथ स्वामी दर्शन भारती, विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे. मंच के संयोजकों ने यह भी स्पष्ट किया कि कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहेगा और किसी भी प्रकार की हिंसा से बचा जाएगा.पुलिस और प्रशासन के इंतजाम महापंचायत को लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क हैं. नवनियुक्त एसपी सरिता डोबाल ने ज्ञानसू पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों को ब्रीफ किया. उन्होंने पुलिस ड्यूटी और यातायात प्रबंधन की समीक्षा करते हुए सुरक्षा इंतजामों पर जोर दिया. पूरे शहर को सात जोन और 15 सेक्टर में बांटा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके.ड्रोन और यातायात प्रबंधन पुलिस ने महापंचायत स्थल और आ. सपास के इलाकों की निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करने का फैसला किया है. साथ ही, शहर में यातायात को डायवर्ट किया गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को असुविधा न हो. सुरक्षा बलों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं.संवेदनशीलता को देखते हुए सख्ती पुलिस और प्रशासन ने महाप. ंचायत के दौरान किसी भी प्रकार के भड़काऊ बयान या हिंसक गतिविधियों को सख्ती से रोकने का निर्देश दिया है. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अगर आयोजन के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश की जाती है, तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी.सामाजिक और रा. जनीतिक प्रभाव मस्जिद विवाद और इससे जुड़ी महापंचायत से क्षेत्र में सामा. जिक और राजनीतिक वीकरण बढ़ने की संभावना है. प्रशासन और पुलिस के सामने इसे नियंत्रित करना एक चुनौती है. महापंचायत से जुड़े आयोजकों का कहना है कि इस कार्यक्रम के जरिए हिंदू समुदाय के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा. महापंचायत की सफलता या विफलता पर आने वाले समय में क्षेत्रीय राजनीति और समाज पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है.

संभल हिंसा मृतकों के परिजनों के लिए सपा का बड़ा ऐलान, 5–5 लाख रूपए देगी मुआवजा

संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद यहां शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर लगाई गई रोक को 10 दि. संबर तक बढ़ा दिया है. समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को भी वहां जाने से रोक दिया गया है. इस बीच सपा ने एक बड़ा ऐलान कर दिया है.सपा ने अपने सोशल मीडिया के जरिए ऐलान करते हुए लिखा, श्संभल में हुई हिंसा में भा. जपा सरकार और प्रशासन की नाकामी से अपनी जान गंवाने वाले मृतकों के परिजनों को समाजवादी पार्टी 5– 5 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करेगी.श इसके बाद इसी पोस्ट में सपा ने यूपी सरकार के सामने भी मांग रखी दी है और लिखा, श्यूपी सरकार मृतकों के परिवारों को 25–25 लाख रुपए का मुआवजा दे.श्धारा 163 की अवधि बढ़ी जबकि जिला प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा की अवधि भी एक दि. संबर से बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दी है. जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेसीया ने यहां जारी एक बयान में कहा, श्कोई भी बाहरी व्यक्ति, कोई सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि जनपद की सीमा में सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना 10 दि. संबर तक प्रवेश नहीं करेगा.श्जिला

मजिस्ट्रेट ने आदेश में कहा, ''कोई भी व्यक्ति यदि सोशल मीडिया पर किसी समूह में अफवाह फैलाने का प्रयास करता है तो 'ग्रुप एडमिन' उक्त पोस्ट हटाकर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को देगा. जिले में साइबर कैफे एक रजिस्टर रखेंगे जिसमें प्रत्येक ग्राहक के नाम लिखे जाएंगे. संभल में कोई भी सार्वजनिक स्थल पर पुतला नहीं फूंकेगा. ''मुजफ्फरनगर से सपा के सांसद हरेन्द्र मलिक को गाजियाबाद से संभल आने से रोक दिया गया. मलिक ने कहा, ''मेरी समझ में यह नहीं आता कि हमें क्यों रोका जा रहा है. क्या विपक्ष के नेता, सांसद इतने गैर जिम्मेदार हैं कि उन्हें राज्य के भीतर घूमने नहीं दिया जा सकता. हम क्या कर सकते हैं.''

यूपी में छेड़छाड़ से परेशान नाबालिग ने तेजाब पीकर खुदकुशी की कोशिश

पीलीभीत में छेड़खानी का वीडियो वायरल होने के बाद बदनामी के डर से 17 साल की एक लड़की ने एसिड पीकर खुदकुशी करने की कोशिश की. तबीयत बिगड़ने पर लड़की को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई कर रही है. पुलिस ने बताया कि यह घटना 23 नवंबर को उस समय घटी जब लड़की अपनी मां से मिलने जा रही थी.क्षेत्राधिकारी (सीओ) सिटी दीपक चतुर्वेदी ने शनिवार को मीडिया को बताया कि शिकायत मिली कि एक नाबालिग लड़की से बीते दिनों छेड़छाड़ की गई और फिर घटना के दौरान का वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया जा रहा था. इसी से आहत होकर उसने घर पर रखा तेजाब पी लिया. सीओ ने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है. इनमें से एक आरोपी दूसरे समुदाय का है. बरेली के अस्पताल में भी पुलिस भेजी गई है और वहां भर्ती पीड़िता की हालत खतरे से बाहर है. आरोपियों ने दी लड़की को जान से मारने की धमकीकोतवाली सुनगढ़ी पुलिस के अनुसार, क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने शनिवार को दी गयी तहरीर में आरोप लगाया कि उसकी साढ़े सत्रह वर्षीय छोटी बहन 23 नवंबर को गांव में ही जा रही थी, तभी रास्ते में कपड़े की दुकान पर काम करने वाले एक युवक ने उसकी बहन को रोक कर उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए छेड़छाड़ की. आरोपी के साथी ने इसका मोबाइल से वीडियो बना लिया. इसके बाद आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए नाबालिग को ब्लैकमेल करने लगे. घटना के बारे में किसी को बताने पर लड़की को जान से मारने की धमकी भी दी.पुलिस के मुताबिक इससे आहत पीड़िता ने शुक्रवार देर शाम घर में रखा तेजाब (टॉयलेट क्लीनर) पी लिया. उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां से उसे बरेली रेफर कर दिया गया. सुनगढ़ी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) पवन कुमार पांडेय ने पुलिस बल के साथ दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है. पुलिस की एक टीम पीड़िता के इलाज की व्यवस्था कराने व देखरेख के लिए बरेली के अस्पताल भेजी गई है. किशोरी की हालत पुलिस ने खतरे से बाहर बताई है.

महाकुंभ 2025 26 जनवरी को होगी धर्म संसद, सनातन बोर्ड के गठन की होगी मांग

मुसलमानों के वक्फ बोर्ड की तरह हिंद. ुओं के लिए अलग सनातन बोर्ड गठित किए जाने की मांग को लेकर प्रयागराज के महाकुंभ में धर्म संसद आयोजित की जाएगी. साधु संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने धर्म संसद की तारीख का ऐलान कर दिया है. यह धर्म संसद गणतंत्र दिवस के दिन 26 जनवरी को संगम के तट पर आयोजित की जाएगी. धर्म संसद का आयोजन इस बार साधु संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की तरफ से किया जाएगा. इस धर्म संसद में अलग सनातन बोर्ड गठित किए जाने की मांग का प्रस्ताव पारित कर उसे केंद्र सरकार को भेजा जाएगा. धर्म संसद में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को भी गोरक्ष पीठाधीश्वर के तौर पर आमंत्रित किया जाएगा. इस धर्म संसद में सनातन बोर्ड के गठन के साथ ही कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी. धर्म संसद में काशी और मथुरा के साथ ही अजमेर व संभल जैसे हिंद. ुओं के पुराने धार्मिक स्थलों को मुक्त कराए जाने के प्रस्ताव पर भी चर्चा की जा सकती है. प्रयागराज महाकुंभ में धर्म संसद की तारीख का फैसला अखाड़ा परिषद की बैठक में लिया गया. तय किया गया कि जिस दिन देश का संविधान लागू हुआ, धर्म संसद उसी दिन आयोजित की जाएगी. अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी के मुताबिक इस धर्म संसद में देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर के संत महात्माओं को बुलाया जाएगा. उनके मुताबिक देश में हिंदुत्व काल की शुरुआत 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद हुई है. यह हिंदुत्व काल बना रहे, इसके लिए सनातन बोर्ड का गठन बेहद जरूरी है. उनका कहना है कि अगर देश में वक्फ बोर्ड बना हुआ है तो सनातन बोर्ड गठित किए जाने में किसी को ऐतराज नहीं होना चाहिए. महंत रवींद्र पुरी के मुता. बिक सनातनियों को पीएम नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है, ऐसे में इस बात की पूरी उम्मीद है कि प्रयागराज महाकुंभ में धर्म संसद के जरिए अलग सनातन बोर्ड के गठन की जो मांग की जाएगी उसे पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार जरूर पूरा करेगी. स्वामी बालकानंद गिरि, निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी महेशानंद गिरि और निरंजनी अखाड़े की महामंडलेश्वर गुरु मां आनंदमई पुरी के मुताबिक, सीएम के अलावा इस धर्म संसद के लिए देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र सरकार के प्रति. निधि को भी बुलाया जाएगा, ताकि वह लोग भी संत महात्माओं की मांग पर सहमति जताते हुए केंद्र की मोदी सरकार से सनातन बोर्ड गठित किए जाने की मांग के पूरा होने में अपना योगदान दें.

गाजियाबाद में डेंटल कॉलेज की छात्रा का फंदे से लटका मिला शव

पुलिस को मिले सुसाइड नोट में उसने अपनी मौत की जिम्मेदारी खुद ली

गाजियाबाद के थाना निवाड़ी क्षेत्र में पढ़ने वाले डीजे डेंटल कॉलेज में एमडीएस प्रथम वर्ष की छात्रा रेणुका यादव ने सुसाइड कर लिया, रेणुका ने पंखे से लटक कर सुसाइड किया है. बता दें कि दिव्य ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के छात्रावास में शनिवार को दंत चिकित्सा में मास्टर कर रही 26 वर्षीय छात्रा ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच में जुटी हुई है. मोदीनगर के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि विस्तृत जांच के लिए उसके फोन कॉल का विवरण सुरक्षित कर लिया गया है. पुलिस को उसके कमरे से सुसाइड नोट मिला है, जिसमें रेणुका ने लिखा है कि इस कदम के लिए वह ही जिम्मेदार है.कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर प्रदीप शुक्ला ने बताया की रेणुका करीब 10 दिन पहले हॉस्टल आई थी. उसके बाद उसकी तबीयत खराब चल रही थी, उसने आज से कॉलेज ज्वाइन करने के लिए कहा था. लेकिन जब वह नहीं आई तो कुछ विद्यार्थियों को उसे देखने के लिए भेजा गया.उन्होंने बताया कि दरवाजे पर की गई दस्तक पर कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर छात्रावास वार्डन को सूचित किया गया, जिन्होंने निवाड़ी पुलिस को सूचना दी.सुसाइड नोट भी बरामद हुआपुलिस ने फोरेंसिक टीम के साथ कमरे का दरवाजा तोड़ा और पाया कि रेणुका का शव फंदे से लटका हुआ था. एसीपी ने कहा कि पुलिस मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए सभी पहलुओं से

मामले की जांच कर रही है. राय ने बताया कि उसके माता–पिता की ओर से पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है. रेणुका यादव जो कि रेवाड़ी की रहने वाली है. प्रथम दृष्टिया मौके के निरीक्षण से आत्महत्या ही प्रतीत हो रही है. मौके से सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें इन्होंने अपने परिजनों के लिए लिखा है और अपनी आत्महत्या के लिए अन्य किसी को जिम्मेदार नहीं बताया है.

गुजरात में अलाव ताप रही 3 लड़कियों की मौत, जहरीली गैस से दम घुटने का शक

मध्यप्रदेश गुजरात के सूरत के औद्योगिक क्षेत्र में खुले मैदान में कूड़ा जलाकर अलाव तापने के दौरान तीन लड़कियों की मौत हो गई. आशंका है कि कूड़ा जलाने से जहरीला धुंआ निकला होगा जिससे उनकी जान चली गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानक. ारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय घटी जब पीड़िता दुर्गा महंतो (12), अमिता महंतो (14), और अनीता महंतो (8) शुक्रवार शाम को एक अन्य लड़की के साथ अलाव ताप रही थीं. पुलिस ने बताया कि यह सभी अलाव के चारो ओर घेरा बनाकर बैठी थीं.अलाव तापने के दौरान 3 लड़कियों की मौत सचिन जीआईडीसी–1 के पुलिस निरीक्षक जे.आर. चौधरी ने बताया, ''अलाव तापने के दौरान लड़कियों ने उल्टी करना शुरू कर दिया और बेहोश हो गईं. उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनमें से तीन की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि घटना में जीवित बची लड़की ने पुलिस को बताया कि अन्य तीनों लड़कियों की मौत संदिग्ध जहरीली गैस से हुई.पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच सामने आएगा पूरा सचपुलिस अधिकारी ने कहा, ''हालांकि, मौत का सही कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद पता चलेगा। प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि जहरीली गैस के कारण तीनों की मौत हुई है. सूरत सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केतन नाइक ने बताया कि लड़कियों ने शायद कुछ जलाया होगा, जिससे जहरीला धुआं निकला और वे बेहोश हो गईं. उन्होंने बताया, ''पोस्टमार्टम और फोरेंसिक जांच के बाद चीजें स्पष्ट होंगी.इस घटना ने औद्योगिक क्षेत्रों में खुले मैदान में कूड़ा जलाने के खतरों को उजागर किया है. पुलिस अभी इस मामले की जांच के दौरान पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आग में जलने वाला रसायन कौन सा था. इससे पहले अंगीठी के धुंए से दम घुटने से कई लोग मौत के शिकार हो चुके हैं. लेकिन अलाव तापने के दौरान मौत का ये पहला मामला सामने आया है.

महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को बनेगी नई सरकार, BJP नेता ने बताया कौन होगा अगला मुख्यमंत्री?

महाराष्ट्र में नये मुख्यमंत्री के नाम पर गतिरोध बरकरार है. भारी बहुमत से जीत के बाद महायुति गठबंधन में मंथन चलता रहा. भले ही दबी जबान में सभी देवेंद्र फडणवीस का नाम लिया जा रहा हो लेकिन, उनके नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है. इस बीच बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता ने शनिवार (30 नवंबर) देवेंद्र फडणवीस को अगले मुख्यमंत्री की दौड़ में सबसे आगे बताया. उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की नयी सरकार पांच दिसंबर को बनेगी. दरअसल, 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसीपी) के गठबंधन महायुति ने 288 में से 230 सीट जीतकर सत्ता बरकरार रखी. बीजेपी 132 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी. शिंदे की शिवसेना को 57 और एनसीपी को 41 सीट से संतोष करना पड़ा. हालांकि, 23 नवंबर को चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद भी अगले मुख्यमंत्री के नाम पर कोई फैसला नहीं हुआ है.

अमेरिका–कनाडा बॉर्डर से अवैध रूप से एंट्री करने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ी, इस साल 40 हजार पकड़े गए

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने के बाद दिए अपने पहले ही भाषण में अवैध रूप से अमेरिका में आने वालों और रहने वालों पर एक्शन की बात कही थी. माना जा रहा है कि जनवरी में शपथ ग्रहण करने के बाद वह इस पर तेजी से काम करेंगे. वहीं दूसरी ओर कनाडा भी इस समस्या से जूझ रहा है.इन दोनों देशों की सरकार के बीच यह प्रमुख बा. इलैटरल (द्विपक्षीय) मुद्दा बन गया है, लेकिन हाल के वर्षों में कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच की सीमा पर भारतीय नागरिकों की ओर से अमे. रिका में अवैध इमिग्रेशन के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिली है. यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन USCBP की ओर से उत्तरी सीमा पर पकड़े गए मामलों के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास करने वाले भारतीयों की संख्या कुल का 22 प्रतिशत हो गई है. लगातार बढ़ रही भारतीयों की संख्यायूएससीबीपी अपने वित्तीय वर्ष के अनुसार डेटा प्रदान करता है, जो अगले वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक चलता है. 2022 में, अमेरिका में अवैध रूप से आने के कुल 109,535 प्रयास हुए. इनमें भारतीयों की संख्या करीब 16 प्रतिशत थी. 2023 में यह पर्सेंटेज स्थिर रहा. हालांकि, अवैध रूप से सीमा पार करने वालों का आंकड़ा तेजी से बढ़ा है और ऐसे मामलों की संख्या कुल 189,402 हो गई है. इनमें भारतीयों की संख्या 30,010 थी. इस वर्ष इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी हुई है. इस साल करीब 43,764 भारतीय अवैध रूप से अमेरिका में आने की को. शिश में पकड़े गए हैं. इस साल ऐसे कुल मामले 198,929 हैं. अगर इमसें भारतीयों का डेटा देखें तो यह करीब 22 प्रतिशत है.पहले मैक्सिको की सीमा से होती थी ज्यादा अवैध एंट्री बता दें कि अमेरिका में अभी तक अवैध रूप से दाखिल होने की कोशिश सबसे ज्यादा

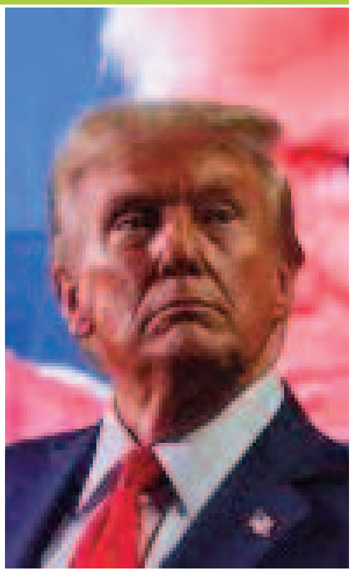

मैक्सिको से होती थी, लेकिन अब कनाडा भी इससे पीछे नहीं है. ट्रंप ने बुधवार (27 नवंबर 2024) को मैक्सिको के राष्ट्रपति से इस मुद्दे पर बातचीत की थी और दावा किया था कि अब मैक्सिको से अवैध रूप से अमेरिका में आने वाले प्रवासियों पर लगाम लगेगी.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार, दो और संत हुए गिरफ्तार

अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने शनिवार को दावा किया कि बांग्लादेश में दो और हिंदू ब्रह्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है. राधारमण ने पीटीआई–भाषा से बातचीत में कहा, मुझे जानकारी मिली है कि बांग्लादेश में पुलिस ने इस्कॉन के दो और ब्रह्मचारियों रुद्रप्रोती केशव दास और रंगनाथ श्यामा) को गिरफ्तार किया है.सोशल मीडिया पर दी जानकारीराधारमण ने शुक्रवार रात को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ष्इस बीच, बुरी खबर आई हैरू चिन्मय प्रभु के लिए प्रसाद लेकर गए दो ब्रह्मचारियों को मंदिर लौटते समय गिरफ्तार कर लिया गया और चिन्मय प्रभु के सचिव भी लापता हैं. कृपया उनके लिए प्रार्थना करें. इससे पहले, राधारमण ने पोस्ट किया था, एक और ब्रह्मचारी श्री श्याम दास प्रभु को आज चटोग्राम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. राधारमण ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया, ष्क्या वह आतंकवादी जैसा दिखते हैं?बांग्ला देश के इस्कॉन के निर्दोष ब्रह्मचारियों

को रिहा किया जाए. इस्कॉन के ब्रह्मच. ारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली हचिन्मय दास को सोमवार को किया गया था गिरफ्तार उनकी टिप्पणी आध्यात्मिक नेता चिन्मय दास की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद इस्कॉन के तीन और ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी की खबरों की पृष्ठभूमि में आई है. बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता रहे चिन्मय दास को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह एक रैली में भाग लेने के लिए चटगांव जा रहे थे. चटगांव की एक अदालत ने मंगलवार को उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया और जेल भेज दिया.बांग्लादेश ने किया ये बड़ा दावाबांग्लादेश ने अल्पसंख्यक मुद्दों से जुड़े संयुक्त राष्ट्र मंच पर कहा कि ढाका में एक हिंदू नेता की गिरफ्तारी को गलत तरीके सेश पेश किया गया है और उन्हें विशिष्ट आरोपों को लेकर गिरफ्तार किया गया है.उन्होंने दावा किया कि देश में अल्पसंख्यकों पर कोई सुनियोजित हमला नहीं हुआ है.

बांग्लादेश में महिला पत्रकार को भीड़ ने घेरा, भारतीय एजेंट होने का लगाया आरोप

हिंदूओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर बांग्लादेश की चारो ओर से आलोचना हो रही है. इसी बीच अब बांग्लादेश से एक नया वीडियो सामने आया है. जो कि चर्चा का विषय बना हुआ है. दरअसल, बांग्लादेश की एक वरिष्ठ महिला पत्रकार मुनि साहा को बांग्लादेश की राजधानी ढाका के करवान बाजार में शनिवार (30 नवंबर) को कुछ लोगों के समूह ने घेर लिया और उन पर भारतीय एजेंट होने और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के समर्थन करने का आरोप लगाने लगे. जिसके बाद ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया.स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला पत्रकार मुनि साहा के साथ ये घटना तब हुई जब वह अपने ऑफिस से निकल रही थी. पत्रकार की कार को भीड़ ने रोक लिया. उसके बाद उन्हें गालियां देने लगे और उनपर आरोप लगाने लगे. जिसके बाद ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस ने मौके पर पहुंची और मुनि साहा को पुलिस की गाड़ी में सुरक्षित निकाला. इस दौरान मौजूद भीड़ उनके खिलाफ नारेबाजी करती रही.पत्रकार के गिरफ्तार होने की फैल गई खबर बाजार में लोगों की भीड़ से निकालकर पुलिस पत्रकार मुनि साहा को लेकर तेजगांव पुलिस थाने पहुंची. जिसके बाद उन्हें ढाका मेट्रोपोलिटन डिटेक्टिव ब्रांच (डीबी) के कार्यालय पहुंचाया गया. इससे महिला पत्रकार की गिरफ्तार होने की खबर तेजी से फैल गई.हालांकि पुलिस ने यह स्पष्ट किया कि वरिष्ठ महिला पत्रकार मुनि साहा को गिरफ्तार नहीं किया गया था. उन्हें रविवार की सुबह को रिहा कर दिया जाएगा. पुलिस ने यह भी जानक. ारी दी कि इस पूरी घटना के दौरान पत्रकार को एक पैनिक अटैक आया था और वह बीमार हो गई थी. महिला पत्रकार मुनि साहा की गिरफ्तारी को लेकर एक पुलिस अधिकारी ने बांग्लादेशी समाचार पत्र डेली ऑब्जर्वर से कहा, "पुलिस ने मुनि साहा को हिरासत में नहीं लिया है. उन्हें करवान बाजार में उनके कार्यालय के बाहर एक समूह ने घेर लिया था. इसके बाद सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए तेजगांव पुलिस ने उन्हें डीबी कार्यालय ले गई." उन्होंने बताया कि साहा चार मामलों में आरोपी है. जिसमें जमानत के लिए उन्हें कोर्ट में पेश होना होगा और भविष्य में पुलिस के समन का पालन भी करना होगा. हालांकि पुलिस ने महिला पत्रकार को घेरने और उनके खिलाफ नारेबाजी करने वाले लोगों को लेकर कोई बयान नहीं दिया.

अमेरिका में बर्फीले तूफान ने बरपाया कहर, हाईवे पर बिछी बर्फ की चादर

अमेरिका में लाखों लोगों को कड़ाके की ठंड का सामना करना पड़ रहा है. विभिन्न मौसम रिपोर्टों के अनुसार, आर्कटिक की हवा का झोंका वीकेंड पर मध्य और पूर्वी अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में तापमान को घटाएगा.समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आर्कटिक हवा का केंद्र अगले सप्ताह के शुरू में देश के उत्तरी मैदानों और ऊपरी मध्य–पश्चिम में केंद्रित होगा, जहां अधिकतम तापमान 10 और 20 के बीच रहेगा अमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने जारी की चेतावनीअमेरिकी राष्ट्रीय मौसम सेवा ने क्षेत्र को लेकर चेतावनी दी है. उन्होंने लोगों को खतरनाक ठंडी हवाओं की मार झेलने के लिए तैयार रहने को कहा. हालांकि, इनमें से कुछ जगहों पर पहले से ही भारी बर्फबारी शुरू हो गई है.यूएसए टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, लंबी छुट्टी वाले वीकेंड के दौरान ठंडी हवा दक्षिण और पूर्व की ओर बढ़ेगी, जिससे मध्य टेक्सास से उत्तरी फ्लोरिडा और न्यूयॉर्क तक तापमान में गिरावट आएगी. साथ ही इन क्षेत्रों में तापमान शून्य के करीब तक पहुंच जाएगा. न्यूयॉर्क, ओहियो और मिशिगन के कुछ हिस्सों में लगभग 2 फीट (61 सेंटीमीटर) बर्फबारी हुई. पेंसिल्वेनिया के उत्तर–पश्चिमी सिरे पर 29 इंच (73 सेंटीमीटर) बर्फबारी दर्ज की गई.10 से 20 डिग्री नीचे गिर सकता है तापमान एक्यूवेदर ने कहा कि आर्कटिक वायु हवा से परिचित क्षेत्रों के लिए नवंबर के अंत और दिसंबर की शुरुआत में तापमान 10 से 20 डिग्री नीचे गिर सकता है. रिपोर्ट में कहा गया है कि शनिवार की सुबह तक लगभग 196 मिलियन अमेरिकी नागरिक शून्य से नीचे के तापमान में सोकर उठेंगे और इन राज्यों में रहने वाले लाखों लोगों के लिए सर्दियों की सबसे सर्द शुरुआत होगी.यूएसए टुडे ने कहा, उत्तरी विस्कॉन्सिन से मिशिगन और पश्चिमी न्यूयॉर्क तक शीतलहर की चेतावनी और सलाह जारी की गई है, जहां वीकेंड के अंत तक 4 फीट तक बर्फ गिर सकती है. हालांकि, बाद में बर्फ 5 इंच प्रति घंटे की दर से गिर सकती है.न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने जारी किया बयानन्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि राज्य ने बर्फ हटाने वाले यंत्रों और हजारों कर्मचारियों को तैनात कर दिया गया है. उन्होंने सहायता के लिए राज्य के अन्य हिस्सों से भी कर्मियों को भेजा.उन्होंने कहा,मैं जानती हूं कि यह ऐसी चीज है जिसके वे सभी आदी हैं और वे इसे संभाल सकते हैं. लेकिन मैं उन्हें बताना चाहती हूं कि हम वहां अतिरिक्त बल के साथ मौजूद हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हर कोई सुरक्षित यात्रा कर सके.

167 हेक्टेयर जमीन खरीदी गई, इन सात गांव की जमीन का हुआ अधिग्रहण

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) खैर रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर के सामने ग्रेटर अलीगढ़ बसेगा। इसके लिए खैर के सात गांवों में इंटीग्रेटेड टाउनशिप प्रस्ता. वित है। 335 हेक्टेयर में विकसित होने वाली इस कॉलोनी की भूमि पर लगभग सात सौ करोड़ का बजट खर्च होगा। इसके लिए शासन ने साढ़े तीन सौ करोड़ की राशि स्वीकृत की है।एडीए की सबसे महत्वाकांक्षी योजना ग्रेटर अलीगढ़ रफ्तार पकड़ रही है। पहले फेस में 167 हेक्टेयर जमीन की खरीद भी हो चुकी है। खैर रोड पर विकसित होने वाली यह कॉलोनी सभी मूलभूत सुविधाओं से लैस होगी। यह कालोनी पांच फीसदी व्यावसायिक होगी, जहां पर लोग अपनी जरूरत के सामान खरीद सकेंगे। प्लाि. टंग कर भूखंडों की बिक्री होगी।खैर रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर के सामने ग्रेटर अलीगढ़ बसेगा। इसके लिए खैर के सात गांवों में इंटीग्रेटेड टाउनशिप प्रस्ता. वित है। 335 हेक्टेयर में विकसित होने वाली इस कॉलोनी की भूमि पर लगभग सात सौ करोड़ का बजट खर्च होगा। इसके लिए शासन ने साढ़े तीन सौ करोड़ की राशि स्वीकृत की है। जिसके बाद से एडीए ने भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू की है। ग्रेटर अलीगढ़ प्रोजेक्ट के लिए 167 हेक्टेयर भूमि की खरीद हो चुकी है। खरीदी गई जमीन पर चहारदीवारी कराने के निर्देश मात. हतों को दिए गए है। इसके लिए ले आउट भी तैयार कर लिया गया है।–अपूर्वा दूबे, वीसी एडीए।इन सात गांव की जमीनों का हुआ अधिग्रहण एडीए ने खैर के जतनपुर चिकावटी,

अहमदाबाद, अटलपुर, ल्हौसरा विसावन, मूसेपुर, जिरौली और रुस्तमपुर गांवों में अभी तक लगभग 167 हेक्टेयर भूमि खरीदी है। बाकी 168 हेक्टेयर जमीन की खरीद की कार्रवाई तेजी से की जा रही है। भू–उपयोग परिवर्तन की कार्रवाई के लिए अभिलेख शासन को भेजा जा चुका है।

अलीगढ़ जिले के सबसे लंबे फ्लाईओवर के निर्माण का रास्ता साफ, इन गांव में होगा भूमि अधिग्रहण

फ्लाईओवर के निर्माण के लिए प्रस्तावित जमीन का अधिग्रहण किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रेलवे द्वारा तहसील कोल एवं गभाना तहसील के 20 गांवों की करीब 114.1 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा।रेलवे प्रशासन और राजस्व विभाग के संयुक्त सर्वे के बाद दाऊद खां से हरदुआगंज रेलवे स्टेशन के मध्य 22 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। यह जिले का सबसे लंबा फ्लाईओवर होगा। इसके निर्माण पर करीब 1250 करोड़ रुपये की लागत आएगी। निर्माण वर्ष 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।इस विशेष रेल परियोजना के नोटिफिकेशन में उल्लिखित ग्रामों की गाटा संख्याओं में किस–किस काश्तकार की कितनी–कितनी भूमि एवं परिसंपत्ति मौके पर प्रभावित हो रही हैं, इसकी संयुक्त जांच हो चुकी है। इसके लिए राजस्व विभाग, रेलवे प्रशासन और भूलेख अमीन की उपस्थिति में सर्वे पूरा कर लिया गया है। फ्लाईओवर के निर्माण के लिए प्रस्ता. वित जमीन का अधिग्रहण किए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। रेलवे द्वारा तहसील कोल एवं गभाना तहसील के 20 गांवों की करीब 114.1 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। ए श्रेणी में शामिल अलीगढ़ रेलवे स्टेशन के हिसाब से यह महत्वपूर्ण परियोजना है। विशेष रेल परियोजना में दाऊद खां से हरदुआगंज तक बनने वाले 22 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की अधिसूचना जारी कर दी गई है। इसमें तहसील कोल के 18 व तहसील गभाना के दो गांव की जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। इसके बाद फ्लाईओवर का निर्माण होगा।–अमित सिंह, जनसंपर्क अधिकारी उत्तर–मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल।इन गांवों की जमीन होगी अधिग्रहित तहसील कोल– गांव चिरौला, दाऊद खां, पड़ियावली, नगला पानखानी, भदेसी माफी, रहमतपुर गढ़मई, कमालपुर, अली नगर, सिंधौली, बरौला–जाफराबाद, इलियासपुर, महरावल, चुआवली, बरई–सुभानगढ़ी, सिया खास, रठगांव, इमलौठ, छेरत सुड़ियाल एवं खेरूपुरा शामिल हैं।तहसील गभाना–गांव जमाल. पुर सिया और रफीपुर सिया की जमीन ली जाएगी।प्रोजेक्टर एक नजर में–1250 करोड़ रुपये की आएगी लागत, 2026 तक बनाने का लक्ष्य–कोलकाता की ब्रिज एवं रूफ कंपनी को मिली निर्माण की जिम्मेदारी–हरदुआगंज से आने वाली ट्रेनें सीधे दाऊद खां के रेलवे ट्रैक से मिलेंगी –हरदुआगंज–दाऊद खां रेलवे स्टेशन के मध्य 22 किलोमीटर लंबा ओवरब्रिज बनेगा–कोल और गभाना तहसील के 20 गांवों की करीब 114.1 हेक्टेयर जमीन होगी अधिग्रहीततीसरी रेललाइन के लिए भी अधिग्रहण शुरू अलीगढ़ में विशेष रेल परियोजना अलीगढ़–दाऊद खां तीसरी रेल लाइन (6.9 किमी) के लिए तहसील कोल में आठ ग्रामों में भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई शुरू हो गई है।ट्रेन संचालन में नहीं होगी देरीअलीगढ़ रेलवे जंक्शन पर दो मार्ग हैं। पहला नई दिल्ली–हावड़ा रेलमार्ग, दूसराहरदुआगंज–बरेली–चंदौसी रेलमार्ग है। हरदुआगंज–बरेली तक ब्रांच रेल लाइन है। इसी लाइन से हरदुआगंज–बरेली जाने वाली ट्रेनें चलती हैं, जो अलीगढ़ स्टेशन पर नई दिल्ली–हावड़ा मार्ग से जुड़ जाती हैं। जब हरदुआगंज से ट्रेन नई दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर आती है तो 20 से 25 मिनट तक नई दिल्ली–हावड़ा रेलमार्ग व्यस्त हो जाता है। कई बार ट्रेनों को स्टेशन के आउटर पर रोकना पड़ता है। इस समस्या को देखते हुए रेलवे ने दाऊद खां से हरदुआगंज तक 22 किलोमीटर तक रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण कराने का निर्णय लिया है।

अलीगढ़ में आठ साल की बच्ची की हार्ट अटैक से मौत, घर में बड़े भाई–बहन के साथ खेलते हुए सीने में हुआ दर्द

अलीगढ़ में आठ साल की बच्ची की घर में बड़े भाई–बहन के साथ खेलते हुए हार्ट अटैक से मौत हो गई। अचानक उसके सीने में दर्द हुआ, इसके बाद बच्ची बेहोश हो गई। डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।छोटे–छोटे बच्चों को भी दिल की बीमारी जकड़ रही है। शनिवार को उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में हंसती खिलखिलाती, घर में इधर से उधर दौड़ रही आठ साल की बच्ची दीक्षा (8) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह अपने बड़े भाई–बहन के साथ खेल रही थी। अचानक उसके सीने में दर्द उठा और बेहोश हो गई। परिजन उसे लेकर चिकित्सक के पास पहुंचे, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। दीक्षा अलीगढ़ रोड स्थित लोधी नगर निवासी जीतू राजपूत की बेटी थी और ग्रीन वैली कान्वेंट पब्लिक स्कूल में कक्षा एक में पढ़ती थी। इसी स्कूल में आठवीं कक्षा में उसकी बड़ी बहन मोनिका (15) और सातवीं में उसका भाई समीर (13) भी पढ़ता है। ताऊ वीरेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार रात करीब नौ बजे वह घर में ही अपने भाई और बहन के साथ खेल रही थी। बच्चे खेलते हुए घर के आंगन में इधर से उधर दौड़ रहे थे। अचानक उसके सीने में दर्द उठा और वह चीख पड़ी। परिजन कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह बेहोश हो गई। घर वाले तुरंत उसे लेकर मोहल्ले में ही एक निजी चिकित्सक के यहां पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने हार्ट अटैक से मौत होने की बात कही है।आज स्कूल के वार्षिकोत्सव में करना था नृत्यग्रीन वैली कान्वेंट स्कूल का रविवार को वार्षिकोत्सव है। दीक्षा को इसमें नृत्य की प्रस्तुति देनी थी और वह इसे लेकर काफी उत्साहित थी। इसकी तैयारी भी उसने कर रखी थी। परिजन भी खुश थे और उसके लिए ड्रेस भी तैयार कर दी थी। अचानक उसकी मौत से परिवार सदमे में है। घर वालों ने बताया कि दीक्षा ने परिवार के सभी लोगों से कहा था कि उसका नृत्य देखने के लिए सभी आएं।

सभी ने वहां जाने की तैयारी भी कर ली थी।एक पखवाड़े में हार्ट अटैक से हुई पांच की मौतबीते एक पखवाड़े में अलीगढ़ और हाथरस में हार्ट अटैक से 5 लोगों की मौत हो चुकी है। इसमें हा. थरस के शिवम, छर्रा के मोहित, अलीगढ़ के सैयद बरकात हैदर, डॉ लवनीश अग्रवाल, खैर के गांव अर्राना की ममता शामिल है।दौड़ते समय पड़ा दिल का दौरा, बिटिया की मौत खैर कोतवाली के गांव अर्राना निवासी 20 वर्षीय ममता को शनिवार की सुबह दौड़ते समय दिल का दौरा पड़ा था, जिससे मौत हो गई थी। पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा पास करने के बाद वह गांव के बाहर मैदान में अपनी बहन और गांव की अन्य लड़कियों के साथ सुबह दौड़ की तैयारी कर रही थी। दौड़ लगा रहे किशोर की हार्टअटैक से मौत छर्रा के स्कूल में सात सितंबर को होने वाली वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए दौड़ का अभ्यास कर रहे 14 वर्षीय मोहित चौधरी की शुक्रवार हार्ट अटैक से मौत हो गई।

एडीए ने जारी किया आदेश, 302 भूखंडों की जल्द होगी नीलामी, लगेगी बोली

अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) ट्रां. सपोर्ट नगर में शेष भूखंडों की नीलामी जल्द शुरू करेगा। ई–नीलामी के जरिए भूखंड बेचे जाएंगे। पूर्व में नीलामी के बाद डिफाल्टर घोषित भूखंडों को निरस्त का उनकी नीलामी दोबारा कराई जाएगी।एडीए द्वारा खैर रोड पर लगभग 85 हेक्टेयर क्षेत्रफल में ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किया जा है। यहां पर कुल 1775 भूखंड है। मूलभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने का कार्य भी शुरू हो चुका है। पूर्व में यहां पर दो बार में 1441 भूखंडों की नीलामी हो चुकी है। शेष 334 भूखंडों में से 302 भूखंडों की नीलामी की तिथि जल्द ही तय होगी। ई–नीलामी में कोई भी शामिल हो सकता है। ससे पूर्व आवंटित हुए भूखंडों में से कुछ की किस्तें जमा नहीं हुई हैं। जिससे वह डिफाल्टर सूची में शामिल हो गए है। ऐसे 38 डिफाल्टरों को अंतिम नोटिस जारी कर दिया गया है। अगर इसके बाद भी वह बकाया किस्त जमा नहीं करते हैं, तो भूखंड आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा। इन्हें भी नीलामी में शामिल किया जाएगा।टीपी नगर में 302 भूखंडों की नीलामी लॉटरी से की जाएगी। जल्द ही इसकी तारीख तय हा. `गी। अधिक बोली लगाने वाले को भूखंड आवंटित किया जाएगा। –अपूर्वा दूबे, वीसी अलीगढ़ विकास प्राधिकरण`जी से चल रहे टीपी नगर में विकास कार्यअधिशाषी अभियंता आरके सिंह ने बताया कि ट्रांसपोर्ट नगर में गेट और चहारदीवारी का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। 2500 लीटर की टंकी का निर्माण अंतिम चरण में है। सड़क बन चुकी हैं। बिजली के खंभे लगाए जा रहे हैं। बिजली निगम 33 केवी बिजली घर का निर्माण शुरू कर दिया है। सीवर लाइन का निर्माण कार्य 60 फीसदी और नाली का निर्माण कार्य 50 फीसदी हो चुका है।

2.20 करोड़ रुपये से सुधरेंगी 13 जर्जर सड़कें, इन सड़कों की बदलेगी सूरत

अलीगढ़ जिले की 13 जर्जर सड़कों की मरम्मत के लिए शासन स्तर से लोक निर्माण विभाग को 2.20 करोड़ रुपये का बजट जारी कर दिया गया है। इससे सड़कों को सुधारा जाएगा। लंबे समय से ग्रामीणों को जर्जर सड़कों के कारण बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता ने बताया कि अलीगढ़–राया–मथुरा मार्ग से भकरौली मार्ग के किमी 1,2 में नवीनीकरण पर 9. 38 लाख रुपये खर्च होंगे। इसी मार्ग के किमी छह से हाजीपुर चौहट्टा मार्ग के किमी 1, 2 तक नवीनीकरण पर 10.72 लाख रुपये खर्च होंगे। इसी तरह किमी 31 से शेखा नगला मार्ग के किमी एक में सामान्य मरम्मत पर 8.93 लाख रुपये खर्च होंगे।क्वार्सी बाईपास मार्ग के किमी 4 से इंजीनियर्स कॉलोनी मार्ग के किमी 1, 2 तक 12.95 लाख की लागत से नवीनीकरण होगा। हाथरस–इगलास मार्ग से मोहनपुर मार्ग की मरम्मत पर 9. 16 लाख रुपये, छतारी–अतरौली–कासगंज मार्ग से बहादुरपुर मार्ग की मरम्मत पर 8.93 लाख, गोपी–भिलावाली मार्ग से मिर्जा चांदपुर आलमपुर मार्ग पर 11.16 लाख रुपये खर्च होंगे। नरौना–बरला से रहमा. पुर मार्ग पर 10.75 लाख से विशेष मरम्मत होगी। सासनी–नानऊ मार्ग के किमी 17 से दुम्हिया मार्ग के किमी एक तक नवीनीकरण पर 8.93 लाख रुपये खर्च होंगे।पनैठी–गंगीरी मार्ग से नगरिया भूड़ होते हुए दौलतपुर मार्ग पर 8.93 लाख, नानऊ–दादों मार्ग से गोवसरा अलहदादपुर मार्ग पर 13.39 लाख रुपये, नेशनल हाईवे 509 से मईनाथ मार्ग पर 19.11 लाख रुपये खर्च होंगे। गोंडा–इगलास मार्ग से जगनेर मार्ग पर 10.72 लाख रुपये मरम्मत पर खर्च होंगे। इसके लिए टेंडर आदि की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

अलीगढ़ में बनेगा 22 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर, इन 20 गांवों की लगी लॉटरी

अलीगढ़ जिले में बनने वाले सबसे लंबे रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण जल्द ही शुरू होने वाला है. इसके लिए रेलवे प्रशासन और राजस्व विभाग ने संयुक्त सर्वे पूरा कर लिया है. दाऊद खां से हरदुआगंज रेलवे स्टेशन के बीच 22 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर के निर्माण के लिए करीब 114.1 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा. इस परियोजना पर लगभग 1250 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसे वर्ष 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है.यह अलीगढ़ जिले का सबसे लंबा रेलवे फ्लाईओवर होगा.परियोजना के तहत हरदुआगंज से आने वाली ट्रेनें सीधे दाऊद खां रेलवे ट्रैक से जुड़ेंगी.निर्माण का जिम्मा कोलकाता की ब्रिज एंड रूफ कंपनी को सौंपा गया है किन गांवों की जमीन होगी अधिग्रहीतचिरौला, दाऊद खां, पड़ियावली, नगला पानखानी, भदेसी

माफी, रहमतपुर गढ़मई, कमालपुर, अली नगर, सिंधौली, बरौला–जाफराबाद, इलियासपुर, महरावल, चुआवली, बरई–सुभानगढ़ी, सिया खास, रठगांव, इमलौठ, छेरत सुड़ियाल और खेरूपुरा. ।हरदुआगंज–बरेली रेलवे लाइन अलीगढ़ स्टेशन पर नई दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग से जुड़ती है. इस दौरान, ट्रेन संचालन में 20–25 मिनट की देरी होती है और कई बार ट्रेनों को आउटर पर रोका जाता है. नई फ्लाईओवर परियोजना के तहत, इस समस्या को हल करने के लिए दाऊद खां से हरदुआगंज तक फ्लाईओवर बनाया जाएगा.

अलीगढ़ में 3 दिसम्बर को होगा विशाल धरना प्रदर्शन

अलीगढ़। आगरा रोड स्थानीय गैस्ट हाउस में रविवार को पत्रकार वार्ता करते हुए बांग्लादेश अल्पसंख्यक सुरक्षा मंच के संयोजक मण्डल ने अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों पर रोष प्रकट किया।उन्हा. `ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदु तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, लूट, हत्या, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक है तथा अलीगढ़ की समस्त जनता इसकी भर्त्सना करती है। वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां इसे रोकने की जगह केवल मूकदर्शन बनी हैं। विवशतावश बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठाई गई आवाज को दबाने हेतु उन्हीं पर अन्याय व अत्याचार उभरता जा रहा है। ऐसे ही शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में अल्पसंख्यकों का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के सन्यासी चिन्मय कृष्णदास को बा. ंग्लादेश सरकार द्वारा कारावास भेजना अन्यायपूर्ण है। इस अन्याय के खिलाफ अलीगढ़ में काफी रोष पैदा हो रहा है।वहीं संयोजक अशोक पांडेय ने बताया कि जनता में बहुत रोष है। बांग्लादेश सरकार के खिलाफ विशाल धरना प्रदर्शन 3 दिसम्बर 2024 को बस स्टैण्ड कम्पनी बाग पर दोपहर 12 बजे किया जाएगा। जिसमें अलीगढ़ महानगर के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्र से भी जनता को आमंत्रित किया जा रहा है। शहर एवं दूर–दराज क्षेत्रों में चलने वाले सामाजिक संगठन, एनजीओ को भी बुलाया जाएगा।पत्रकार वार्ता के दौरान मुख्य रूप से संयोजक अशोक पांडे, सह संयोजक मनोज कुमार, राहुल वार्ष्णेय स्क्रैप, राहुल चेतन, शकुन्तला भारती, भारती सिसोदिया आदि रहे।

दिसंबर का पहला वीक मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या राशि वालों के लिए कैसा रहेगा

02 दिसंबर से दिसंबर का पहला सप्ताह शुरु हो रहा है. आने वाला सप्ताह मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या राशि वालों के लिए कैसा रहेगा पढ़ें साप्ताहिक राशिफल.

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए दिसंबर का पहला सप्ताह परेशानियां लेकर आ सकता है. आपके मन में किसी बात को लेकर चिंता बनी रहेगी. किसी बात पर आप अपमानित फील कर सकते हैं. लव रिलेशन में किसी तीसरे की एंट्री से रिश्तें में दरार आ सकती है. हेल्थ का ख्याल रखें, परेशानी खड़ी हो सकती है.

कर्क राशि

कर्क राशि वालों के लिए नया वीक मिलाजुला रहेगा.
इस वीक आपके रिश्तों में गलतफहमी पैदा हो सकती है. हेल्थ का ख्याल रखें, पैट दर्द से परेशान हो सकते हैं. किसी से भी बात करते समय वाणी पर संयम बनाएं रखें, आपके लिए अच्छा रहेगा. मां के स्वास्थ्य को लेकर टेंशन बनी रहेगी.

वृषभ राशि

वृषभ राशि वालों के लिए नया वीक अच्छा रहेगा. आप अपने निर्णय लेते समय जल्दबाजी ना करें. इस वीक आपके ऊपर कोई बड़े खर्चे आ सकते हैं. ट्रैवल कर रहे हैं को अपनी हेल्थ और अपने सामान का ध्यान रखें. बिजनेसमैन कोई बड़ी डील इस वीक कर सकते हैं. घर और बाहर आपका सम्मान बढ़े

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए नया वीक गुड लक लेकर आएगा. इस वीक आपको सफलता और लाभ की प्राप्ति होगी. सोचे हुए काम समय पर पूरे होंगे. सप्ताह का मध्य आपके लिए उत्तम रहेगा. बिजनेस के काम की वजह से आप ट्रैवल कर सकते हैं. लव लाइफ में सोच समझ कर कदम आगे बढ़ाएं.

सिंह राशि

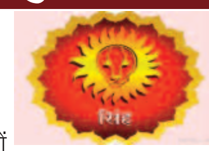

सिंह राशि वालों के लिए नया वीक एलर्ट रहने वाला होगा. किसी भी तरह की लापरवाही करने से बचें. इस वीक आपका पैसा घर की सजावट या
रिनोवेशन पर खर्च हो सकता है.
सट्टा–लाटरी से दूरी बना कर रखें, आपसी संबंधों में उतार–चढ़ाव रहेगा.

कन्या राशि

कन्या राशि वालों के इस वीक सोचे हुए कार्य पूरे होंगे. गुड लक का साथ मिलेगा. इस वीक आपकी आर्थिक स्थिति शानदार रहेगी, आपको लाभ हो सकता है. लव लाइफ शानदार रहेगी.मार्केट में आपकी धाक जमेगी. सत्ता–सरकार की नजदीकियों का आप फायदा उठाने में कामयाब रहेंगे. शादीशुदा लाइफ में खुशियां आएगी.

दिसंबर में इस दिन रखा जाएगा मोक्षदा एकादशी का व्रत

हर साल मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मोक्षदा एकादशी का व्रत रखा जाता है। शास्त्रों में इस एकादशी का बड़ा ही महत्व बताया गया है। मोक्षदा एकादशी के दिन व्रत कर भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण होती है। तो आइए जानते हैं कि दिसंबर में मोक्षदा एकादशी का व्रत कब रखा जाएगा और भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त क्या रहेगा।मोक्षदा एकादशी 2024 तिथि और शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि का आरंभ 11 दिसंबर 2024 को सुबह 3 बजकर 42 मिनट पर होगा। एकादशी तिथि का समापन 12 दिसंबर को रात 1 बजकर 19 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, मोक्षदा एकादशी का व्रत 11 दि. संबर को रखा जाएगा। वहीं मोक्षदा एकादशी का पारण 12 दिसंबर 2024 को सुबह 7 बजकर 5 मिनट से सुबह 9 बजकर 9 मिनट के बीच किया जाएगा। पारण तिथि के द्वादशी तिथि समाप्त रात 10 बजकर 26 मिनट पर होगा। बता दें कि एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि के अंदर किया जाता है। मान्यता है कि द्वादशी तिथि के अंतर पारण न करना पाप के समान होता है।मोक्षदा एकादशी व्रत का महत्व धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, मोक्षदा एकादशी का पारण करने से भक्तों के सभी पाप मिट जाते हैं। इस दिन एकादशी का व्रत रखने से जीवन के समस्त कष्ट दूर हो जाते हैं। एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी की पूजा करने से सुख–समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। घर में सदैव खुशहाली बनी रहती है।एकादशी के दिन न करें ये काम एकादशी के दिन चावल का सेवन वर्जित होता है। तो चावल से बनी कोई भी चीज न खाएं। एकादशी के दिन प्याज, लहसुन, मांस–मदिरा और अन्य तामसिक चीजों से दूरी बना रखें। एकादशी के दिन किसी के लिए अपशब्द का प्रयोग न करें और न ही किसी की निंदा करें। एकादशी के दिन दिन में सोना नहीं चाहिए।

कार्य स्थल और ऑफिस की सही दिशा में रखें कामधेनु गाय की मूर्ति

सनातन धर्म में गाय का बड़ा महत्व बताया गया है. वहीं कई पौरणिक कथाओं में कामधेनु गाय का उल्लेख मिलता है. इस गाय को प्रचुरता, समृद्धि और सफलता का एक पवित्र प्रतीक बताया गया है. जो आपकी सभी मनोक. ामनाओं की पूर्ति करती है. वहीं वास्तु शास्तु शास्त्र में इस गाय की मूर्ति को लेकर कई बातें उल्लेखित हैं. ऐसा कहा जाता है कि यदि आप इस गाय की मूर्ति में अपने वर्कप्लेस या कारोबार के स्थान पर रखते हैं तो इससे आपके जीवन में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है.लेकिन, यदि आप कामधेनु गाय की मूर्ति को लाने वाले हैं तो आपको इसे रखने के लिए सही दिशा का पता होना चाहिए. साथ ही आपको इसे रखने संबंधी नियमों की जानकारी भी होना चाहिए. आइए इन सब के बारे में जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा सेवास्तु शास्त्र में कामधेनु गाय को सभी भौतिक और आध्यात्मिक इच्छाओं को पूरी करने वाली गाय बताया गया है. कामधेनु गाय के शरीर पर कई सारे देवताओं के चित्र देखने को मिलते हैं. वास्तु शास्त्र के अनुसार, इस गाय की मूर्ति को घर या दफ्तर में रखने पर आपको कई सारे लाभ मिलते हैं.ऑफिस में किस दिशा में रखें मूर्तियदि आप कामधेनु गाय की मूर्ति अपने दफ्तर में रखना चाहते हैं तो वास्तु के अनुसार इसके लिए सबसे उत्तम दिशा उत्तर–पूर्व ही मानी गई है. आपको बता दें कि, इस दिशा को धन के देवता कुबेर और ज्ञान के देवता बृहस्पति से जोड़कर देखा जाता है. इसके अलावा आप इस मूर्ति को उत्तर दिशा में भी रख सकते हैं.कहां रखें और कहां ना रखें? यदि आप कामधेनु गाय की मूर्ति अपने ऑफिस है या दुकान में रखने वाले हैं तो ध्यान रखें इसे काउंटर या लॉकर के पास रखें. यह स्थान सबसे शुभ माना गया है. इसके अलावा आप इसे ऑफिस के वर्कस्पेस या मीटिंग रूम में रख सकते हैं. इससे इस स्थान का माहौल सकारात्मक होता होता है और आपको शुभफलों की प्राप्ति भी होती है.अब बात करें कामधेनु की मूर्ति को कहां रखने से बचना चाहिए तो आपको इसे कभी भी गंदे या अपवित्र स्थान पर नहीं रखना चाहिए. अपने ऑफिस के वॉशरूम के आ. सपास या ऐसे किसी स्थान पर रखने से आपको बचना चाहिए, क्योंकि इससे नक. ारात्मकता बढ़ सकती है.

प्रेमानंद महाराज के अनमोल विचारों में छिपा है जीवन की हर समस्या का हल

वृंदावन में वास कर रहे धर्म गुरु प्रेमानंद जी महाराज के प्रवचन से कई भक्तों की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया है। हजारों की संख्या में लोग वृंदावन पहुंच रहे हैं, ताकि प्रेमानंद महाराज की एक झलक देख सकें।इस बीच, अपने भक्तों से संवाद के दौरान प्रेमानंद महाराज द्वारा कही गई बातें सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हो रही हैं। यहां हम उनकी कही कुछ ऐसी बातों को लेकर आए हैं, जो किसी के जीवन में मार्गदर्शन का काम कर सकती हैं।मन को शांत करने के लिए सबसे पहले उसे प्रेम से भरना होता है।जो अपने भीतर शांति और प्रेम का अनुभव करता है, वही दुनिया में शांति ला सकता है।जिनके मुख में प्रभु का नाम नहीं है, वह भले ही जीवित है लेकिन मुख से मरा हुआ है।ब्रह्मचर्य की रक्षा करें। ब्रह्मचर्य बहुत बड़ा अमृत तत्व है, मूर्खता के कारण लोग इसे ध्यान नहीं देते हैं।प्रेम से बड़ा कोई धर्म नहीं, सच्ची भक्ति ईश्वर तक पहुंचाती है, सत्य को अपनाओ और शांति पाओ।वर्तमान में जीने से ही मान. सिक शांति मिलती है, क्योंकि अतीत और भविष्य केवल भ्रम होते हैं।सत्य की राह में चलने वाले की निंदा बुराई अवश्य होती है। इससे घबराना नहीं चाहिए। यह आपके बुरे कर्मों का नाश करती है। जहां आपके लिए निंदा और बुराई हो, वहां आपके बुरे कर्मों का नाश हो जाता है।मनुष्य को सच्ची भक्ति में लीन होकर, जीवन को सार्थक बनाना चाहिए, क्योंकि प्रेम ही सच्चा धर्म है।संसार के सुख क्षणिक हैं, लेकिन भक्ति और प्रेम अनंत सुख देते हैं।समय के साथ अपने विचारों और कर्मों को बदलना ही सच्ची प्रगति है।दूसरों को माफ करना ही अपने मन को शांति देने का सबसे प्रभावी तरीका है।जीवन में हमेशा सकारात्मक रहो और नकारात्मक विचारों को अपने दिमाग में मत आने दो।सत्य मार्ग के लिए मनुष्य जीवन है। अच्छे बनों, मां बाप की सेवा करो. जरूरतमंद की सहायता करो, मनुष्य जीवन यही है।

महाकुंभ में स्नान करने से मिलता है मोक्ष

देश के चार शहरों में आयोजित होने वाला कुंभ मेला को दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन कहा जाता है. कुंभ मेले की उत्पत्ति का वर्णन 8वीं शताब्दी के दार्शनिक शंक. राचार्य ने किया. संस्थापक मिथक बताता है कि कैसे राक्षसों और राक्षसों ने समुद्र मंथन के रत्न कहे जाने वाले पवित्र घड़े यानि अमृत के कुंभ के लिए लड़ाई लड़ी. ऐसा माना जाता है कि मोहिनी का रूप धारण करके राक्षसों के चंगुल से भगवान विष्णु ने कुंभ को निकाला था. जब वे स्वर्ग की ओर इसे ले जा रहे थे, तो बूंदें उन चार स्थलों पर गिरीं, जहाँ आज कुंभ मनाया जाता है, अर्थात् हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज.कुंभ का पौराणिक महत्व रू पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि प्रजापति ब्रह्मा ने यमुना और गंगा के संगम पर स्थित दशाश्वमेध घाट पर अश्वमेध यज्ञ करके ब्रह्मांड का निर्माण किया था, जिसके कारण प्रयागराज में कुंभ सभी कुंभ त्योहारों में सबसे महत्वपूर्ण है. इस त्यौहार के ज्योतिषीय महत्व को समुद्र मंथन की कथा दर्शाती है, जब भगवान विष्णु को 12 दिव्य दिन स्वर्ग पहुंचने में लगे थे. हिंदू कैलेंडर के अनुसार, हर बारहवें वर्ष जब माघ महीने में अमावस्या के दिन बृहस्पति मेष राशि में प्रवेश करता है,तो कुंभ मनाया जाता है.कुंभ का सामाजिक महत्व रू कुंभ मेले का सामाजिक महत्व इस तथ्य में निहित है कि यह दुनिया का एकमात्र ऐसा आयोजन है जिसके लिए किसी आमंत्रण की आवश्यकता नहीं होती है, फिर भी लाखों तीर्थयात्री इस विशाल आयोजन के लिए आते हैं. कुंभ मेला एक सामा. जिक संदेश भी देता है जो सभी मनुष्यों के कल्याण, अच्छे विचारों को साझा करने और रिश्तों को बनाए रखने और मजबूत करने का है. मंत्रों का जाप, पवित्र व्याख्याएँ, पारंपरिक नृत्य, भक्ति गीत और पौराणिक कहानियाँ लोगों को एक साथ लाती हैं, जिससे कुंभ का सामाजिक महत्व झलकता है.कुंभ मेले का इतिहास रू कुंभ का महत्व अमृत है. इसके अलावा, ऐसा कहा जाता है कि कुंभ मेले के पीछे की कहानी तब की है जब देवता पृथ्वी पर रहा करते थे. ऐसा कहा जाता है कि ऋषि दुर्वासा के अभिशाप ने उन्हें दुर्बल कर दिया था और दुष्ट उपस्थिति ने ग्रह पर तबाही मचा दी थी. उस समय, भगवान ब्रह्मा ने देवताओं को असुरों की सहायता से अनन्त स्थिति का अमृत बनाने के लिए प्रेरित किया. बाद में असुरों को पता चला कि देवताओं ने उनके साथ अमृत साझा न करने की योजना बनाई है इसलिए उन्होंने 12 दिनों तक उनका पीछा किया, जिसके दौरान अमृत चार स्थानों पर गिरा जहा अब कुंभ मेला आयोजित किया जा रहा है. हालाकि कुंभ मेले की शुरुआत के बारे में ठीक–ठीक बताना मुश्किल है, लेकिन कुछ विद्वानों के अनुसार, कुंभ मेला 3464 ईसा पूर्व में शुरू हुआ था और यह हड़प्पा और मोहनजो–दारो संस्कृति से 1000 साल से भी पहले से मौजूद एक परंपरा है. चीनी यात्री ह्वेन त्सांग की पुस्तक में 'कुंभ–मेला' का उल्लेख किया गया है. 629 ईसा पूर्व में की गई अपनी 'भारतयात्रा' यात्रा विवरण में उन्होंने महान सम्राट हर्षवर्धन के राज्य में प्रयाग में आयोजित हिंदू मेले का उल्लेख किया है.

शादी में दूल्हा–दुल्हन को 7 फेरों के बाद क्यों दिखाते हैं ध्रुव तारा

हिंदू धर्म में विवाह सिर्फ एक दिन का इवेंट नहीं है. इसकी रस्में करीब 3 दिन तक चलती हैं जो कई बार अलग–अलग क्षेत्रों में भिन्न हो सकती हैं. तिलक फलदान और गोद भराई से शुरू हुई रस्में कन्यादान, सिंदूरदान और फेरे के बाद भी खत्म नहीं होतीं क्योंकि 7 फेरों के बाद भी कई ऐसी रस्में निभाना होती हैं जिनके बिना विवाह संपन्न नहीं माना जाता. इनमें से एक है फेरों के बाद ध्रुव तारा दिखाना. आपने यदि हिन्दू विवाह की रस्मों को पूरी तरह से देखा है तो आपने भी दूल्हा द्वारा अपनी दुल्हन को ध्रुव तारा दिखाते हुए देखा होगा. विवाह के बीच में ध्रुव तारा क्यों देखा जाता है और यह किसका प्रतीक है? आइए जानते हैं इस रस्म के बारे में भोपाल निवासी भोपाल निवासी ज्योतिष आचार्य योगेश चौरे से.किसका प्रतीक है ध्रुव तारा?हिन्दू धर्म में ध्रुव तारा का बड़ा महत्व बताया गया है. इसे उत्तर सितारा के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह उत्तर दिशा को इंगित करता है. ऐसी मान्यता है कि, भगवान विष्णु ने आकाश में नजर आने वाले ध्रुव तारा को ही पहला तारा माना था जब विवाह होने वाला होता है तब बीच में ही यानी कि फेरों के बाद ध्रुव तारा दिखाने की रस्म होती है. इसमें दूल्हा अपनी दुल्हन को सप्त ऋषियों के साथ ध्रुव तारा का आकाश में दिखाता है. ऐसा कहा जाता है कि जिस प्रकार आकाश में ध्रुव तारा स्थिर होता है वैसे ही इसे देखने वाले वर और वधु के जीवन में प्रेम भी स्थिर बना रहता है.इसके अलावा ध्रुव तारे को ही शुक्र का तारा भी कहा गया है और शुक्र भौतिक जीवन या यूं कहें के सुखमय जीवन का दाता है. इसलिए ध्रुव तारा के दर्शन से नवदंपत्ति का जीवन भी सुखमय हो जाता है.7 फेरों के बाद ही क्यों देखा जाता है धुव तारा?यह सवाल किसी के भी मन में आता है कि ध्रुव तारा सात फेरों के बाद ही क्यों दिखाया जाता है. इसका कारण यह कि, इस समय तक विवाह संपन्न होने की कगार पर होता है और इसलिए जब दूल्हा दुल्हन एक दूसरे के हो चुके होते हैं तो उनके संबंध में स्थिरता लाने के लिए ध्रुव तारा दिखाया जाता है.

आवश्यकता है

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें –

अमित कुमार वर्मा –संम्पादक

मौः–8218049162,8273402499

जननायक सम्राट हिंन्दी साप्ताहिक

मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित

सम्पादक–अमित कुमार वर्मा

सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा